दीनदयाल अन्त्योदय योजना–राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के घटक स्व–रोजगार कार्यक्रम (एस0ई0पी0) के अन्तर्गत शहरों में ऋण पखवारा (1–15 जून 2016) के आयोजन की संक्षिप्त रिपोर्ट

M N 7 N J M K Y N W K I R G N I H I N X @ ˆ
¼jkT; uxjh; fodkl vfHkdj.k]& lwMk½ m
izFke ry]Ik;ZVu Hkou]fofiu [k.M]xkserh uxj] y[kuÅ 2
nwjHkk"k ,oa QSDl& 0522&2307798 e-mail% nulmup@gmail.com website:www.sudaup.org

दीनदयाल अन्त्योदय योजना–राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एन0यू0एल0एम0) के घटक स्व–रोजगार कार्यक्रम (एस0ई0पी0) के अन्तर्गत शहरों में ऋण पखवारा (1–15 जून 2016) के आयोजन की संक्षिप्त रिपोर्ट

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के घटक स्व–रोजगार कार्यक्रम (SEP) के माध्यम से शहरी गरीबों को व्यक्तिगत एवं समूह में लाभकारी स्व–रोजगार/लघु उद्यम स्थापना हेतु वित्तीय सहायता प्रदान किये जाने का प्रावधान है। व्यक्तिगत उद्यम स्थापित करने के लिए परियोजना लागत की अधिकतम सीमा रू0 02 लाख होगी और समूह में उद्यम स्थापित करने के लिए परियोजना लागत की अधिकतम रू0 10 लाख होगी। व्यक्तिगत एवं समूह में उद्यम स्थापित करने के लिए बैंक ऋण पर 7% से अधिक ब्याज पर अनुदान प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के 82 शहर(75 जिला मुख्यालय एवं 7 शहर 1 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर) चयनित है। वित्तीय वर्ष 2016–17 में स्व–रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत व्यक्तिगत ऋण हेतु 12500 एवं समूह में ऋण हेतु 505 व्यक्तियों को लाभान्वित (ऋण प्रदान) करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले वर्ष के अनुभव को देखते हुए और बैंकों में स्वीकृत हेतु लंबित प्रकरणों की संख्या को देखते हुए, इस वित्तीय वर्ष में रणनीति के तहत कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया।

SULM स्तर से पत्रांक–387/241/एनयूएलएम/तीन/2001(SEP)TC दिनांक 26.05.2016 द्वारा सभी शहरों में 01 से 15 जून 2016 तक ऋण पखवारा आयोजन के निर्देश जारी किये गये। इस ऋण पखवारें में स्लमों में, शहरी आजीविका केन्द्रों में, कौशल प्रशिक्षण केन्द्रों में, स्वंय सहायता समूहों में, शहरी पथ विक्रेताओं को SEP के अन्तर्गत ऋण उपलब्ध कराने हेतु बैठक, मेले का आयोजन किया जाये, जिसमें STP, RO, CLC , स्थानीय पार्षदों, स्थानीय नगर निकाय (ULB) , लीड बैंक मैनेजर, स्थानीय बैंको, समुदाय आधारित संगठनों (CBO), आंगनबॉडी इत्यादि स्टेक होल्डर का सहयोग लिया गया। विशेष जोर EST&P के अन्तर्गत प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थियों को सेवायोजन कराने हेतु SEP का उपयोग किया जाये।

ऋण पखवारें के आयोजन में योजना का नाम सहित ऋण के संबंध में बैनर भी लगाने के आदेश दिये गये। ऋण पखवारे के आयोजन का मुख्य उद्देश्य शहरी गरीबों में मिशन की जानकारी उपलब्ध कराते हुए स्व–रोजगार कार्यक्रम में ऋण प्राप्त करने हेतु जागरूक करना था और आयोजित बैठकों/मेलों में SEP के फार्म वितरण एवं उनको भरवाने हेतु सी0एम0एम0, सी0ओ0 एवं अन्य स्टेकहोल्डर की मदद ली गई।

1 से 15 जून 2016 को आयोजित ऋण पखवारें की शहरों से प्राप्त रिपोर्ट को राज्य स्तर पर संकलित किया गया और शहरवार आंकडों के संकलन पर काफी सकारात्मक परिणाम सामने आये है। जिससे वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों की पूर्ति समय से हो पायेगी। इस ऋण पखवारें के माध्यम से समुदाय को राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन पर जानकारी प्राप्त हुई है और शहरी गरीबों में स्व रोजगार के माध्यम से स्थाई आजीविका स्थापना हेतु जागरूकता प्राप्त हुई।

शहरों से प्राप्त आंकडों के अनुसार बैठको के आयोजन में प्रथम 3 शहर और बैठक में प्रतिभाग करने वाले व्यक्तियों का विवरण निम्नवत् है:

क्र.सं.	शहरों का स्तर	बैठकों की संख्या	प्रतिभाग करने वाले व्यक्तियों की संख्या
	नगर निगम		
1	कानपुर	18	2250
2	मेरठ	12	2000
3	लखनऊ	11	1100

क्र.सं.	शहरों का स्तर	बैठकों की संख्या	प्रतिभाग करने वाले व्यक्तियों की संख्या
	अन्य शहर		
1	फैजाबाद	22	739
2	जौनपुर	21	550
3	ललितपुर	17	1244

शहरों से प्राप्त आंकडों के अनुसार प्रथम 3 शहरों में ऋण पखवारे के दौरान वितरित किये गये आवेदन पत्रों का ऋण पखवारें के दौरान प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या का विवरण निम्नवत है:–

क्र. सं.	SEP-I के अन्तर्गत आवेदन पत्रों का विवरण			क्र. सं.	SEP-G के अन्तर्गत ऋण पखवारें के दौरान प्राप्त आवेदन पत्रों का विवरण		
	नगर निगम				नगर निगम		
	शहर	वितरित	प्राप्त		शहर	वितरित	प्राप्त
1	कानपुर	1680	1250	1	कानपुर	120	75
2	सहारनपुर	1800	500	2	झांसी	110	25
3	बरेली	530	490	3	बरेली	70	54
	अन्य शहर				अन्य शहर		
1	ललितपुर	968	586	1	दादरी	40	5
2	ऊरई	350	261	2	बुलन्दशहर	40	5
3	शामली	250	230	3	बहराइच	26	4

ऋण पखवारें के अन्तर्गत शहरों में आयोजित बैठकों का विवरण निर्धारित प्रारूप पर प्राप्त किया गया, शहरों से प्राप्त आंकडों को राज्य शहरी आजीविका मिशन स्तर पर संकलित किया गया। जिसका विवरण निम्नवत् है:–

NULM के घटक SEP के अन्तर्गत शहरों में आयोजित ऋण पखवारे (1 से 15 जून, 2016) के आंकडें													
शहरों में ऋण पखवारें के अन्तर्गत आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में प्रतिभाग करने वालो की अनुमानित संख्या	ऋण पखवारे के दौरान वितरित आवेदन पत्रों की संख्या		ऋण पखवारे के दौरान प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या		टास्क फोर्स से अनुमोदित आवेदन पत्रों की संख्या		बैंको को प्रेषित आवेदन पत्रों की संख्या		बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण की संख्या		बैंको द्वारा वितरित ऋणों की संख्या	
		SEP-I	SEP-G	SEP-I	SEP-G	SEP-I	SEP-G	SEP-I	SEP-G	SEP-I	SEP-G	SEP-I	SEP-G
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)
448	**32997**	**21218**	**1026**	**8696**	**332**	**3844**	**89**	**4244**	**139**	**200**	**6**	**152**	**4**

शहरों से संकलित आंकडो के अनुसार ऋण पखवारें के दौरान कुल 448 बैठको का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 32997 व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया जिसमें अधिक संख्या महिलाओं की रही है। ऋण पखवारें के दौरान व्यक्तिगत ऋण हेतु 21218 और समूह में ऋण हेतु 1026 आवेदन पत्रों का वितरण हुआ जाकि वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों से दुगना है। इसी प्रकार उक्त वितरित आवेदन पत्रों के सापेक्ष व्यक्तिगत ऋण हेतु 8696 और समूह में ऋण हेतु 332 आवेदन पत्रों को लाभार्थियों से प्राप्त किये गये। उक्त प्राप्त आवेदन पत्रों के सापेक्ष दिनांक 17.06.2016 तक व्यक्तिगत ऋण हेतु 4244 और समूह में ऋण हेतु 139 आवेदन पत्रों को बैंको को प्रेषण किया गया है। अवशेष आवेदन पत्र को बैंक को प्रेषण किया जाना प्रक्रियाधीन है। बैको द्वारा व्यक्तिगत ऋण हेतु 200 और समूह में ऋण हेतु 6 आवेदन पत्रों को स्वीकृत किया गया है और व्यक्तिगत ऋण हेतु 152 और समूह में ऋण हेतु 4 ऋण वितरित किये गये।

उपरोक्त आंकडे 17 जून 2016 तक के है। उपरोक्त आंकडों के आधार पर सभी शहरों को निर्देशित किया गया है कि माह जुलाई 2016 के अन्त तक लक्ष्य के सापेक्ष आवेदन पत्रों को टास्क फोर्स के माध्यम से बैंकों को प्रेषण किया जाये। जिला स्तरीय बैंकर्स कमेटी में SEP की प्रगति का अनुश्रवण करें और वर्ष की तृतीय तिमाही समाप्त होने तक लक्ष्यों की प्राप्ति कर ली जाये।

ऋण पखवारें के सफलतापूर्वक आयोजन में सी0एम0एम0यू0 की पूरी टीम परियोजना अधिकारी/सहा0 परियोजना अधिकारी, शहर मिशन प्रबंधक एवं सामुदायिक आयोजकों की सक्रिय भूमिका रही है।